

6-6-17

पत्रावली आज्ञा राजस्य वैश्य कर्तव्ये चोदय
 मे पेश हुई। विद्यार्थीगण ने कुम्भपत्र
 उपस्थित होकर एक अर्पण पत्र के पेश
 पर मिलेक किया कि जल्दी इस पेश अर्पण
 पत्र के अन्वय शास्त्रा न देकर आपसी
 सहमति से शास्त्रा देना चाहते हैं जिसका
 नक्शा संलग्न है। अतः अस्तवित श्रुति को
 जै. कु. शास्त्रा इत किया जले। अर्पणपत्र
 श्रीकाल अर्पण के साथ पेश नक्शा के साथ
 बंश दर्शाया गई जिसे गौर भूमिकु शास्त्रा
 दर्ज करने के इच्छित किये जाते हैं।

वि. अ. क.

अखण्ड अतिक्रम
 चोदय